

मॉडल प्रश्न –पत्र का प्रारूप

कक्षा – दशमी

विषय— संस्कृतम् (तृतीय भाषा)

अवधि— 3.15 घंटे

पूर्णांक — 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार —

| क्र.सं. | उद्देश्य | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|-------------------------|--------|---------|
| 1. | ज्ञान | 15 | 18.75 |
| 2. | अवबोध / अर्थग्रहण | 28 | 35.00 |
| 3. | ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति | 25 | 31.25 |
| 4. | कौशल / मौलिकता | 12 | 15 |
| | योग | 80 | 100 |

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार —

| क्र.सं. | प्रश्नों के प्रकार | प्रश्नों की संख्या | अंक प्रति प्रश्न | कुल अंक | प्रतिशत | सम्भावित समय मिनट |
|---------|-----------------------------|--------------------|------------------|---------|---------|-------------------|
| 1. | वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक | — | — | — | — | — |
| 2. | अतिलघूतरात्मक | 7 | 1 | 07 | 08.75 | 21 मिनट |
| 3. | लघूतरात्मक । | 5 | 2 | 10 | 12.50 | 20 मिनट |
| 4. | लघूतरात्मक ॥ | 9 | 9x3 | 27 | 33.75 | 45 मिनट |
| 5. | निबंधात्मक | 7 | 4x4, 5x2, 10x1 | 36 | 45.00 | 84 मिनट |
| | योग | 28 | — | 80 | 100 | 170 मिनट |

विकल्प योजना : आन्तरिक

पुनरावलोकन — 10 मिनट

3. विषय वस्तु का अंकभार —

प्रश्नपत्र अवनोकन समय — 15 मिनट

| क्र.सं. | इकाई | अंकभार | प्रतिशत |
|---------|---|--------|---------|
| 1. | पठितगद्यांशस्य हिन्दीभाषया अनुवादः | 5 | 6.25 |
| 2. | पठितपद्यांशस्य हिन्दीभाषया अनुवादः | 5 | 6.25 |
| 3. | पठितपद्यांशस्य संस्कृत—व्याख्या | 4 | 5.00 |
| 4. | पठितनाट्यांशस्य संस्कृत—व्याख्या | 3 | 3.75 |
| 5. | प्रश्नोत्तराणि संस्कृतमाध्यमेन अष्टसु—षट् प्रश्नानाम् | 3 | 3.75 |
| 6. | प्रश्ननिर्माणम् | 4 | 5.00 |
| 7. | पाठ्यपुस्तकात् श्लोकद्वयलेखनम् | 3 | 3.75 |
| 8. | अपठितावबोधनम् (एकः सरलः गद्यांशः) | 10 | 12.50 |
| 9. | सन्धिः | 4 | 5.00 |
| 10. | समासः | 3 | 3.75 |
| 11. | कारकाणि | 3 | 3.75 |
| 12. | प्रत्ययाः | 4 | 5.00 |
| 13. | अव्ययपदानि | 3 | 3.75 |
| 14. | वाच्य परिवर्तनम् | 3 | 3.75 |
| 15. | समयलेखनम् | 2 | 2.50 |
| 16. | अशुद्धिसंशोधनम् | 3 | 3.75 |
| 17. | पत्र—लेखनम् | 4 | 5.00 |
| 18. | संकेताधारित—संवाद—लंखनम् | 4 | 5.00 |
| 19. | अनुवादकार्यम् (हिन्दीतः संस्कृतानुवादम्) | 4 | 5.00 |
| 20. | चित्राधारितं वर्णनम् | 3 | 3.75 |
| 21. | कथाक्रमस्य संयोजनम् | 3 | 3.75 |
| | योग | 80 | 100 |

विषय – संस्कृतम् (तृतीय भाषा)

मॉडल प्रश्न पत्र ब्लू प्रिंट

कक्षा – दशमी

पूर्णक – 80

| क्र. सं. | उद्देश्य इकाई/उप इकाई | ज्ञान | | | | अवबोध | | | | ज्ञानोपयोगी / अभिव्यक्ति | | | | कौशल / मौलिकता | | योग | |
|-------------|--|------------|-------|-------|-------------|------------|------|------|-------------|--------------------------|-----|-------|-------------|----------------|-------------|-------|--------|
| | | आति लघु | SA1 | SA2 | निबं लघु | आति लघु | SA1 | SA2 | निबं लघु | आति लघु | SA1 | SA2 | निबं लघु | आति लघु | निबं लघु | | |
| 1. | पठिताद्यांशस्य हिन्दीभाष्या अनुवादः | | | | | | | | 5(1) * | | | | | | | 5(1) | |
| 2. | पठिताद्यांशस्य हिन्दीभाष्या अनुवादः | | | | | | | | 5(1) * | | | | | | | 5(1) | |
| 3. | पठित द्याशस्य संस्कृत–व्याख्या | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4. | पठितनाट्यांशस्य संस्कृत–व्याख्या | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5. | प्रश्नोत्तराणि संस्कृतमाध्यमेन अष्टमु–ष्ट प्रश्नानाम् | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 6. | प्रश्ननिर्माणम् | 1(1) | | | 2(2) | | | | 1(1) | | | | | | | 4(4) | |
| 7. | पाठ्यपुस्तकात् श्लोकद्वयलेखनम् | | 3(1) | | | | | | | | | | | | | 3(1) | |
| 8. | अपठितावबोधनम् (एकः सरलः गदांशः) | | | 2(1)* | | | | 5(–) | | | | | | | 1(–) | 10(1) | |
| 9. | सच्चिः | | 2(1) | | | | 2(1) | | | | | | | | | 4(2) | |
| 10. | समाप्तः | | | 3(1) | | | | | | | | | | | | 3(1) | |
| 11. | कारकाणि | | | | | | | | | | | | | | | 3(1) | |
| 12. | प्रत्ययाः | | 2(1) | | | | 2(1) | | | | | | | | | 4(2) | |
| 13. | अव्ययपदानि | | | | | | | | | | | | | | | 3(1) | |
| 14. | वाच्य परिवर्तनम् | | | | | | | | 3(3) | | | | | | | 3(3) | |
| 15. | समयलेखनम् | | | 2(1) | | | | | | | | | | | | 2(1) | |
| 16. | अशुद्धिसंशोधनम् | | | | | | | 3(1) | | | | | | | | 3(1) | |
| 17. | पत्र–लेखनम् | | | | | | | | | | | | | | | 4(1)* | |
| 18. | संकेताधारित–संवाद–लेखनम् | | | | | | | | | | | | | | | 4(1) | |
| 19. | अनुवादकार्यम् (हिन्दीतः संस्कृतानुवादम्) | | | | | | | 4(1) | | | | | | | | 4(1) | |
| 20. | चित्राधारितं वर्णनम् | | | | | | | | | | | | | | | 3(1) | |
| 21. | कथाक्रमस्य संयोजनम् योग | 1(1) | 6(3) | 6(2) | 2(1) | 2(2) | 4(2) | 3(1) | 19(3) | 4(4) | – | 15(5) | 6(1) | – | 3(1) | 9(2) | |
| | कुल योग | | 15(7) | | | | | | 28(8) | | | | 25(10) | | | 12(3) | 80(28) |

नोट :- कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों के लिए है।
विकल्पों की योजना :- 1,2,3,4,5,17,20

आदर्श—प्रश्न—पत्रम्

माध्यमिक परीक्षा, 2018

संस्कृतम् (तृतीय भाषा)

समय : 3:15 घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशः

- परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रे निर्धारितस्थाने नामांकः अनिवार्यतो लेखनीयः ।
- सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः ।
- सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि उत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि ।
- एकस्य प्रश्नस्य सर्वेषां खण्डानामुत्तराणि एकत्र एव लेखनीयानि ।
- सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृत—माध्यमेन एव लेखनीयानि ।

1. अधोलिखितस्य गद्यांशस्य सप्रसंगं हिन्दीभाषया अनुवादं करोतु

5

अनन्तरं सर्वे जालेन बद्धाः बभूवः । ततो यस्य वचनाम् तत्र अवलम्बितास्तं सर्वे तिरस्कृवन्ति । तस्य तिरस्कारं श्रुत्वा चित्रग्रीव उवाच— “ नायमस्य दोषः । विपत्काले विस्मय’ एव कापुरुषलक्षणम् । तदत्र धैर्यमवलम्ब्य प्रतीकारश्चिन्त्यनाम् । इदानीमप्येव क्रियाताम् । सर्वेरेकचित्तीभूय जालमादायोङ्गीयताम् । इति विचिन्त्य सर्वे पक्षिणः जालमदायोत्पत्तिताः । अनन्तरं स व्याधः सुदूराज्जालापहारकान् तान् अवलोक्य पश्चाद् धावनम् अकरोत् । ततस्तेषु चक्षु विषयातिक्रान्तेषु पक्षिषु व्याधो निवृत्तः ।

अथवा

सत्यं वद । धर्मं चर । स्वाध्यान्मा प्रमदः । सत्यान्न प्रमदिव्यम् । धर्मान्न प्रमदितव्यम् । कुशलान्न प्रमदितव्यम् । भूत्यै न प्रमदितव्यम् । स्वाध्याय—प्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम् । देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम् । मातृदेवो भव । पितृदेवो भव । आचार्यदेवो भव । अतिथिदेवो भव । यानि अनवद्यानि कर्माणि तानि सेवतिव्यानि नो इतराणि ।

2. अधोलिखितस्य पद्यांशस्य सप्रसंगं हिन्दीभाषया अनुवादं करोतु —

5

गायन्ति देवाः किल गीतकानि

धन्यास्तु ते भारतभूमि भागे ।

स्वर्गापवर्गास्पदमार्गभूते

भवन्ति भूयः पुरुषाः सुरत्वात् ॥

अथवा

गावः प्रसन्नाः मनुजाः प्रसन्नाः

देवा प्रसन्नाः व्रतदानयज्ञैः ।

किं नाम तद्यन्तं भरौ समृद्धं

विद्या—समृद्धो भवता विधेयः ॥

3. अधोलिखितस्य पद्यांशस्य सप्रसंगं संस्कृतव्याख्यां करोतु —

4

न भोगभवने रमणीयम्

न च सुखशयने शयनीयम्

अहर्निशं जागरणीयम्

लोकहितं मम करणीयम् ॥

अथवा

पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम् ।

मूढैः पाषाण—खण्डेषु रत्नसंज्ञां विधीयते ॥

4. अधोलिखितस्य नाट्यांशस्य सप्रसंगं संस्कृत—व्याख्यां करोतु

3

तापसी — सर्वदमन्, शकुन्तलावण्यं प्रेक्षस्व ।

बालः — (सदृष्टिक्षेपम्) कुत्र वा मम माता ?

उभे — नामसादृश्येन वंचितो मातुवत्सलः ।

द्वितीया — वत्स, अस्य मृत्तिकामयूरस्य रम्यत्वं पश्येति भणितोऽसि ।

अथवा

सर्वदारः — (राजोचितं प्रणम्य) विजयतां महाराजः ।

प्रतापः — (दीर्घनिःश्वस्य मुखम् उन्नमय्य च) हा धिक् । विजयध्वनिं कृत्वा त्वम् अपि किम् एवं मां लज्जयसे भ्रातः ।

सर्वदारः— प्राणाधार । किम् इदं भवान् वदति ? स्वधर्माय भवता सर्वं किमपि कृतम् । स्वाधीनतायै सर्वं किमपि सोढम् ।

भवतः सदा एव विजय एव भविष्याति ।

प्रताप :— कीदृशस्तावद् विजयः ? स्वदेशं परित्यंक्तुं तु समुद्धतः अस्मि ।

5. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांचन षट् प्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतमाध्यमेन लिखतु—

$\frac{1}{2} \times 6 = 3$

(क) का वीणा पुस्तकधारिणी अस्ति ?

(ख) जयन्तः कस्य सुतः अस्ति ?

(ग) माहाराणाप्रतापस्य राज्याभिषेकः कुत्र अभवत् ?

(घ) केशवानन्दस्य मातुः नाम किम् आसीत् ?

(ङ) 'वन्दे नितरां भारत—वसुधाम्' इत्यस्य पाठस्य रचनाकारः कः अस्ति ?

(छ) भामाशाहः किम् आदाय प्रतापस्य समीपम् आगच्छति ?

(ज) सुजानसिंहः कस्य अपरं नाम आसीत् ?

निर्देश : प्रश्न संख्या 6—9 पर्यन्त रेखांकितपदमाधृत्य प्रश्ननिर्माण करोतु —

- | | |
|--|-----------------------------|
| 6. भारतमाता <u>नानतीर्थे</u> : रमणीया । | 1 |
| 7. मरुदेशे <u>तितिराणां</u> मधुरः विरावः भवति । | 1 |
| 8. भामाशाहः <u>देशरक्षायै</u> स्वसम्पत्तिं समर्पवति । | 1 |
| 9. मम <u>लोकहितं</u> करणीयम् । | 1 |
| 10. प्रश्नपत्रादतिरिच्य स्वपाठ्यपुस्तकात् श्लोकद्वयं लिखतु । | $1\frac{1}{2} \times 2 = 3$ |

11. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा एतदाधारित प्रश्नानाम् उत्तरराणि यथानिर्देशं लिखतु —

वैदिकसाहित्यं प्रमुखतया द्विविधम् अस्ति— मन्त्ररूपः ब्राह्मणरूपश्य । मन्त्रसमुदायः एव संहिताशब्देन व्यवाहीयते । ब्राह्मणरूपः वेदभागः संहिता भागस्य व्याख्यारूपः विद्यते । ब्राह्मणभागः यागस्वरूपबोधकः अस्ति । एषः त्रिधा विभक्तः भवति — ब्राह्मणम्, आरण्यकम् उपनिषद् च । यज्ञस्वरूपप्रतिपादकः ब्राह्मणभागः । अरण्ये पठिताः यज्ञस्य आध्यात्मिकरूपं विवेचयन्तः वेदभागः आरण्यकानि । उपनिषदः ब्राह्मत्मबोधिकाः मोक्षसाधिकाः सन्ति । वेदस्य अन्तिमरूपतया उपनिषद् ‘वेदान्तः’ इत्युच्यते । ब्राह्मणभागः गृहस्थानां कृते उपयोगी, आरण्यकभागः वानप्रस्थानां कृते, उपनिषद् भागश्च संन्यस्तानां हेतो बहूपयोगी भवति ।

(क) अस्य गद्यांशस्य समुचितं शीर्षकं लिखतु ।

1

(ख) यथानिर्देशं प्रश्नान् उत्तरतु ।

1. ब्राह्मणभागः कस्य बोधकः अस्ति ?

1

2. मन्त्रसमुदायस्य अपरं नाम किम् अस्ति ?

1

3. यज्ञस्य आध्यात्मिकं रूपं के विवेचयन्ति ?

1

4. संन्यस्तानां कृते कः बहूपयोगी भवति ?

1

5. ब्राह्मणग्रन्थानां कति भागाः सन्ति ?

1

(ग) यथानिर्देशं प्रश्नान् उत्तरतु —

1. ‘ब्राह्मणभागः यागस्वरूपबोधकः अस्ति’ अत्र कर्तृपदं लिखतु ।

1

2. ‘वैदिकसाहित्यं प्रमुखतया द्विविधम्’ अत्र विशेष्यपदं किम् ?

1

3. ‘एषः त्रिधा विभक्तः भवति’ अत्र ‘एषः’ सर्वनामस्थाने संज्ञापदं लिखतु

1

4. ‘आरण्यकानि कुत्र पठितानि भवन्ति ?

1

12. अधोलिखितपदयोः सम्बिविच्छेदं कृत्वा सन्धेः नामापि लिखतु ।

1. अन्वयः

1

2. दिग्म्बरः

1

13. अधोलिखितपदयोः सम्बिं कृत्वा सन्धेः नामापि लिखतु ।

1. पौ +अकः

1

2. नमः + नमः

1

14. अधोलिखितरेखांकित पदेषु समस्तपदानां विग्रहम् अथवा विग्रहपदानां समासं कृत्वा समासस्य नामापि लिखतु ।

1. गोविन्दः यथाशक्तिं दानं ददाति ।

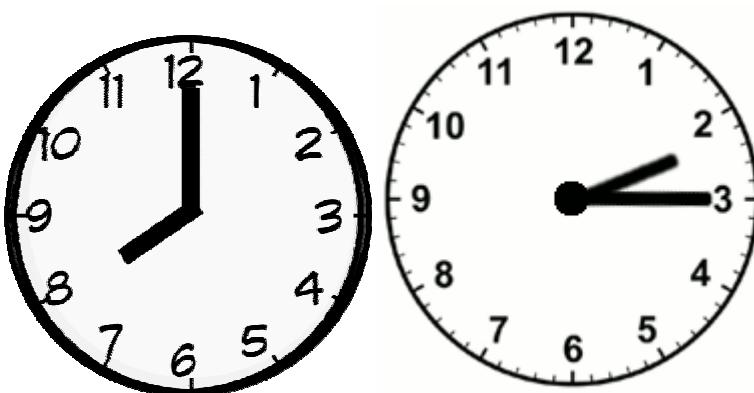
1

2. धनश्यामः नित्यं विद्यालयं गच्छति । 1
 3. राजेशः शिवं च केशवं च नमति । 1

15. अधोलिखितरेखांकित पदेषु विभक्तिं तत् कारणं च लिखतु ।
 1. राजमार्गम् अभितः वृक्षा सन्ति । 1
 2. रामः लक्ष्मणे न सह वनं गच्छति । 1
 3. पिता पुत्राय क्रुद्यति । 1
16. कोष्ठकेषु प्रदत्त—प्रकृतिप्रत्ययानुसारं शब्दनिर्माणं कृत्वा रिक्तस्थानानि पूरयित्वा लिखतु ।
 1. मनसा सततं । (स्मृ+अनीयर्) 1
 2. ग्रामं तृणं पश्यति । (गम्+शतृ) 1
17. अधोलिखितवाक्ययोः रेखांकितपदेषु प्रकृतिं प्रत्ययं च पृथककृत्वा लिखतु ।
 1. वचने का दरिद्रता । 1
 2. बालिका पुस्तकं पठति । 1
18. मजूषायां प्रदत्तैः अव्ययपदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा लिखतु ।
 अपि, इव, तत्र, यथा
 1. गृहीत केशेषु मृत्युना धर्ममाचरत् । 1
 2. कथमहं गच्छामि । 1
 3. जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गाद् गरीयसी । 1

प्रश्नसंख्या 19—21 पर्यन्तं अधोलिखितवाक्यानां वाच्यपरिवर्तनं कृत्वा लिखतु —

19. अहं ग्रामं गच्छामि । 1
 20. सीतया पुस्तकं पढ़यते । 1
 21. शीलया हस्यते । 1
 22. धाटिका चित्रसहायतया अंकानां स्थाने संस्कृतशब्देषु समयलेखनं करोतु ।



| | | |
|---|--------------------------|---|
| (क) मोहनः प्रातःकाले | वादने विद्यालयं गच्छति । | 1 |
| (ख) चालकः | वादने कारयानं चालयति । | 1 |
| 23. अधोलिखितं वाक्यत्रयं शुद्धं कृत्वा लिखतु । | | |
| 1. श्यामः नेत्रात् काणः अस्ति । | | 1 |
| 2. मोहनः भिक्षुकं वस्त्रं ददाति । | | 1 |
| 3. हिमालयेन गंगा निर्गच्छति । | | 1 |
| 24. भवान् राजकीय—आदर्श—उच्च—माध्यमिक—विद्यालय—सोमपुरस्य दशमकक्षायाः विद्यार्थी सुरेशः । | | |
| भवतः पिता अतीव निर्धनः अस्ति । स्वस्य प्रधानाचार्याय शुल्कमुक्त्यर्थम् एकं प्रार्थनापत्रं लिखतु । | | 4 |

अथवा

भवान् गोविन्दः । स्वकीयं मित्रं राजेन्द्रं प्रति स्वविद्यालयस्य वार्षिकोत्सवविषये अधोलिखितपत्रं
मंजूषापदसहायतया पूरयित्वा लिखतु ।

परिवारे, वार्षिकोत्सवस्य, पत्रोत्तरं, स्वकरकमलेन, कुशलताम्, विविधाः, स्वीकृतवान्, पुरस्कारम्

शैलपुरतः

दिनांक: — 18.03.2018

प्रियमित्रं राजेन्द्र ।

नमस्ते ।

अत्र अहं कुशलं, भवतः कामये । फरवरी मासे पच्चमे दिनांके मम विद्यालये
आयोजनम् अभवत् । आस्मिन् दिवसे प्रतियोगिताः अभवन् । अहमपि धावनप्रतियोगितायां,
वादविवादप्रतियोगितायां च भाग । पुरस्कारवितरणसमारोहे अस्माकं क्षेत्रस्य विधायकमहोदयः
..... पुरस्कारवितरणं कृतवान् । अहमपि प्राप्तवान् ।

अस्तु सर्वेभ्यः यथायोग्यं नमस्काराः, शीघ्रमेव प्रेषणीयम् ।

भवतः मित्रम्

गोविन्दः

25. मंजूषायाः उपयुक्तपदानि गृहीत्वा पितापुत्रयोः मध्ये योगदिवसविषये संवादं पूर्यतु । $\frac{1}{2} \times 8 = 4$

कुर्वन्ति, आगच्छ, जूनमासस्य, कार्यक्रमः, शक्नोमि, अस्माकम्, योगदिवसे, अन्ताराष्ट्रियदिवसः

पुत्र — भोः पितः । 29 दिनांके कः दिवसः भवति ?

पिता — अरे । तस्मिन् दिने तु भवति ।

पुत्रः— योगदिवसे के भवन्ति ?

पिता – विश्वेजनाः प्रणायामं व्यायामं च कुर्वन्ति ।

पुत्र – योगेन स्वास्थ्यं सम्यक् भवति वा ?

पिता – आम् । ये योगं ते रूणाः न भवन्ति ।

पुत्र – तर्हि अहम् अपि योगं कर्तुं वा ?

पिता – किमर्थं न, आवां योगं करवाव ।

26. अधोलिखितषड् वाक्येषु केषांचन चतुर्णा वाक्यानां संस्कृतभाषया अनुवादं करोतु । $1+1+1+1 = 4$

1. विद्या विनम्रता प्रदान करती है ।

2. जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी महान है ।

3. विपत्ति के समय दोषारोपण करना ही कायरपुरुष का लक्षण है ।

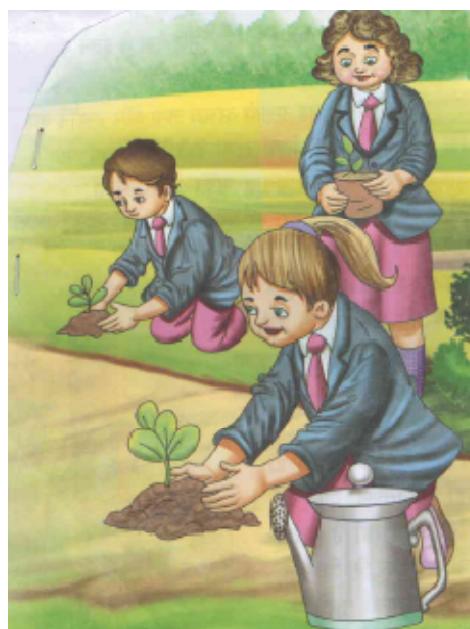
4. कृष्ण के चारों ओर बालक है ।

5. हम सब नाटक देखते है ।

6. राजेश महेश का मित्र है ।

27. अधः चित्रं दृष्ट्वा मंजूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया संस्कृते अष्ट वाक्यानि रचयतु । $\frac{1}{2} \times 6 = 3$

वृक्षरोपणम्, वृक्षेभ्यः, प्राप्त्यामः, सत्पुरुषाः, फलानि, खादन्ति



अथवा

अधोलिखितम् अनुच्छेदं मंजूषायाः सहायतया पूरयित्वा लिखतु।

युद्धे, निशाचरान्, मर्यादापुरुषोत्तमः, वाल्मीकिना, श्रीरामकथायाः, अवतारः

1. रामायणं लिखितम् अस्ति ।
 2. आस्मिन् ग्रन्थे वर्णनम् अस्ति ।
 3. श्रीरामस्य साधूनां परित्राणाय धर्मसंरक्षापनाय च अभवत् ।
 4. लंकापतिरावणं रामः अहनत् ।
 5. श्रीरामः आसीत् ।
28. अधोलिखितवाक्यानि क्रमरहितानि सन्ति । यथाक्रमं संयोजनं कृत्वा लिखतु। $\frac{1}{2} \times 6 = 3$
1. लतायां बहूनि पक्वानि द्राक्षाफलानि आसन् ।
 2. एकः बुमुक्षितः शृगालः भेजनार्थं वने इतस्ततः भ्रमति स्म ।
 3. परं तथापि द्राक्षाफलानि न प्राप्नोत् ।
 4. एकस्मिन् स्थाने सः द्राक्षालतां पश्यति ।
 5. ‘एतानि द्राक्षाफलानि अग्लानि’ इति उक्त्वा कुपितः शृगालः ततः गतः ।
 6. तानि खादितुं सः नैकवारं प्रयासम् अकरोत् ।

उत्तरतालिका – संस्कृतम्

| प्रश्न संख्या | अपेक्षित—उत्तर | खंडवार अंक | पाठ्य पुस्तक की संख्या |
|---------------|--|--|---|
| 1 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रदत्तगद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसंगम् अनुवादः स्वीकार्यः (द्वयोः एकस्य) | 1+4 | 4 80 |
| 2 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रदत्तपद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसंगम् अनुवाद स्वीकार्यः। (द्वयोः एकस्य) | 1+4 | 1 64 |
| 3 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रदत्तपद्यांशस्य सप्रसंगं संस्कृतव्याख्या स्वीकार्या (द्वयोः एकस्य) | 1+3 | 35 51 |
| 4 | पाठ्यपुस्तकानुसारं प्रदत्तनाट्यांशस्य सप्रसंगं संस्कृतव्याख्या स्वीकार्या (द्वयोः एकस्य) | 3 | 80 58 |
| 5 | केषांचन षट् प्रश्नानाम् उत्तराणि अपेक्षितानि – (क) सरस्वती (ख) शक्रस्य (ग) गोगुन्दाग्रामे (घ) साराँ (ङ.) 'श्रीजी महाराजः (च) प्रियदर्शनेन सर्पेण (छ) धनराशिग्रन्थिम् (ज) सूरजमल्लस्य | $\frac{1}{2} \times 6$ | 9 23 29 39 47 76 59 79 |
| 6 | भारतमाता कैः रमणीया ? | 1 | 47 |
| 7 | मरुदेशे केषां मधुरः विरावः भवति ? | 1 | 64 |
| 8 | भामाशाहः किमर्थः। कर्सै स्वसम्पत्तिं समर्पयति? | 1 | 59 |
| 9 | मम किं करणीयम् ? | 1 | 35 |
| 10 | द्वौ श्लोकौ स्वीकार्यौ यौ अस्मिन् प्रश्नपत्रे न स्याताम् | $1\frac{1}{2} + 1\frac{1}{2}$ | |
| 11 | (क) वैदिकसाहित्यम् (ख) 1. यागस्वरूपबोधकः 2. संहिता 3. आरण्यकानि 4. उपनिषद्भागः 5. त्रिधा (ग) 1. ब्राह्मणभागः 2. वैदिकसाहित्यम् 3. ब्राह्मणभागः 4. अरण्ये | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | |
| 12 | 1. अनु+अयः (यण् सन्धिः) | $\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$ | |

उत्तरतालिका – संस्कृतम्

| | | | |
|----|---|---|--|
| | 2. दिक्+अम्बरः (जशव सन्धिः) | $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$ | |
| 13 | 1. पावकः (अयादि सन्धिः) 2. नमो नमः (उत्व सन्धिः) | $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$ | |
| 14 | 1. शवितम् अनतिक्रम्य (अव्ययी भावः) 2. धन इव श्यामः (कर्मधारयः) 3. शिवकेशवौ (द्वन्द्वः) | $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$ | |
| 15 | 1. द्वितीया (अभितः योगे) 2. तृतीया (सह योगे) 3. चतुर्थी (कुध योगे) | $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$ | |
| 16 | 1. रमरणीयम् 2. गच्छन् | 1 1 | |
| 17 | 1. दरिद्र+ तल् 2. बालक + टाप | 1 1 | |
| 18 | 1. इव 2. तत्र 3. अपि | 1 1 1 | |
| 19 | मया ग्रामः गम्यते । | 1 | |
| 20 | सीता पुस्तकं पठति | 1 | |
| 21 | शीला हसति । | 1 | |
| 22 | (क) अष्ट (ख) सपादद्विवादनम् | 1 1 | |
| 23 | 1. श्यामः नेत्रेण काणः अस्ति । 2. मोहनः भिक्षुकाय वस्त्रं ददाति । 3. हिमालयात् गंगा निर्गच्छति । | 1 1 1 | |
| 24 | निर्देशानुसारं पत्रं स्वीकार्यम् अथवा निम्नक्रमेण पत्रं पूरणीयम् 1. कुशलताम् 2. वार्षिकोत्सवस्य 3. विविधाः 4. स्वीकृतवान् 5. स्वकरकमलेन 6. पुरस्कारम् 7. परिघारे 8. पत्रोत्तरम् | $\frac{1}{2}\times 8 = 4$ | |
| 25 | जूनमासस्य, अन्ताराष्ट्रिययोगदिवसः, कार्यक्रमाः, योगदिवसे, अस्माकम्, कुर्वन्ति, शक्नोमि, आगच्छ | $\frac{1}{2}\times 8 = 4$ | |
| 26 | 1. विद्या ददाति विनयम् । 2. जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी । 3. विपत्काले विस्मय एव का पुरुषलक्षणम् । | | |

उत्तरतालिका – संस्कृतम्

| | | | |
|----|--|----------------------------|--|
| | 4. कृष्णं परितः बालकाः सन्ति । 5. वयं नाटकं पश्यामः । 6. राजेशः महेशस्य मित्रम् अस्ति । | 1x4 =4 | |
| 27 | चित्रं दृष्ट्वा निर्देशनुसारं मंजूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया षड् वाक्यानि स्वीकरणीयानि । अथवा 1. बाल्मीकिना 2. श्रीरामकथायाः 3. अवतारः 4. निशाचरान् 5. युद्धे 6. मर्यादापुरुषोत्तमः | $\frac{1}{2} \times 6 = 3$ | |
| 28 | निम्नक्रमेण कथासंयोजनं स्वीकार्यम् – 2. 4. 1. 6. 3. 5. | $\frac{1}{2} \times 6 = 3$ | |